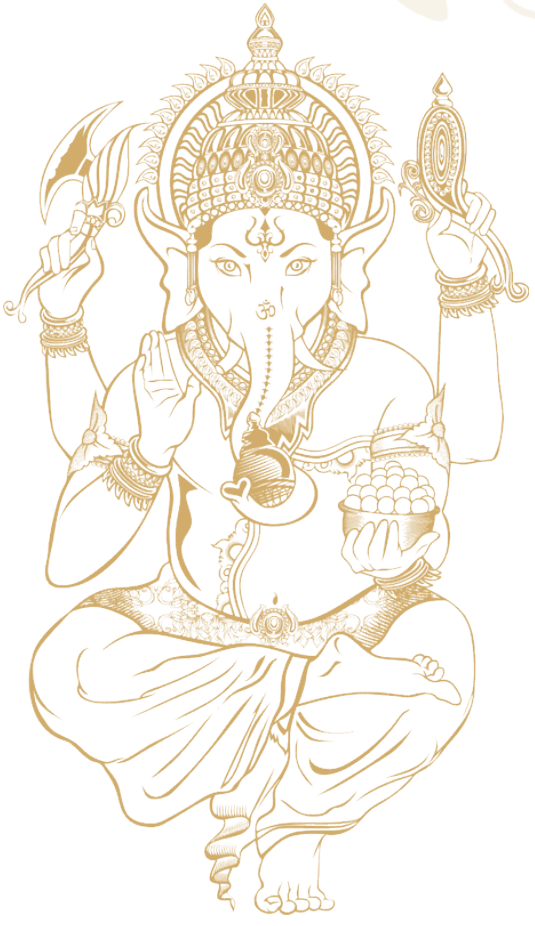

Mr.Shubham

Ms. Priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120814403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/01/1996	जन्म तिथि	24/01/1997
रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 08:47:00	जन्म समय	10:10:00 घंटे
घटी 04:21:01	जन्म समय(घटी)	07:50:13 घटी
India	देश	India
Vidisha	स्थान	Indore
23:30:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
77:50:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:02:35	सूर्योदय	07:08:20
17:57:10	सूर्यास्त	18:08:53
23:48:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:00

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 6वर्ष 1मा 28दि		05:50:34	कुंभ	लग्न	मीन	05:26:45	शनि 0वर्ष 1मा 29दि	
राहु		06:33:10	मक	सूर्य	मक	10:25:11	शुक्र	
20/03/2009		15:07:12	मक	चंद्र	कर्क	16:33:06	25/03/2021	
20/03/2027		16:09:36	मक	मंगल	कन्या	11:08:24	25/03/2041	
राहु	01/12/2011	01:24:16	मक व	बुध	धनु	15:54:27	शुक्र	24/07/2024
गुरु	25/04/2014	10:09:08	धनु	गुरु	मक	06:47:09	सूर्य	25/07/2025
शनि	01/03/2017	13:25:55	कुंभ	शुक्र	धनु	23:40:14	चन्द्र	25/03/2027
बुध	19/09/2019	27:13:09	कुंभ	शनि	मीन	09:05:28	मंगल	24/05/2028
केतु	06/10/2020	26:58:52	कन्या व	राहु व	कन्या	06:18:42	राहु	25/05/2031
शुक्र	07/10/2023	26:58:52	मीन व	केतु व	मीन	06:18:42	गुरु	23/01/2034
सूर्य	31/08/2024	06:42:54	मक	हर्ष	मक	10:47:16	शनि	25/03/2037
चन्द्र	02/03/2026	01:38:02	मक	नेप	मक	03:53:08	बुध	24/01/2040
मंगल	20/03/2027	08:44:08	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:14:47	केतु	25/03/2041

लग्न-चलित

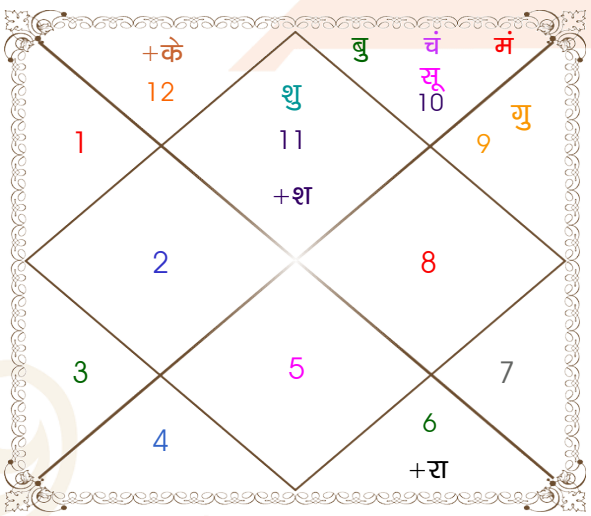

लग्न-चलित

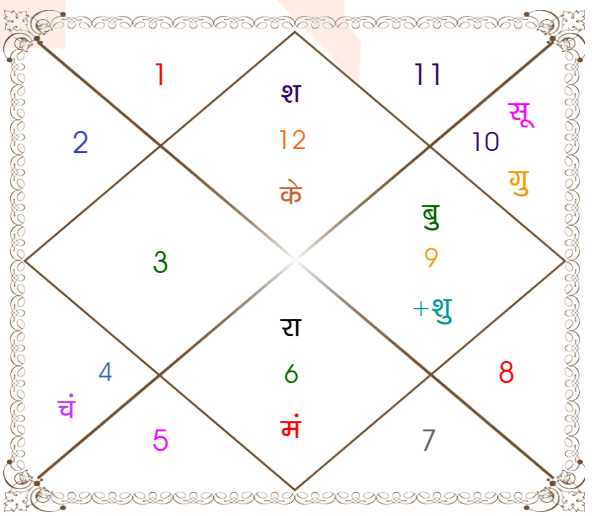

Shri Dadaji Jyotish kendra
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मेष	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

डतणैनईंउ का वर्ग मार्जार है तथा डेण च्तपलं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणैनईंउ और डेण च्तपलं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणैनईंउ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतणैनईंउ कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डतणैनईंउ कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण च्तपलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डेण् च्तपलं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डेण् च्तपलं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डतपैनईींउ तथा डेण् च्तपलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।